जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 205 प्रभात कोटा, शनिवार 10 मई, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

भारत पाक "युद्ध" का अंतर्राष्ट्रीयकरण हुआ

भारत के अनुसार, पाकिस्तान ने 30 से 40 ड्रोन जो काम में लिये थे, वे टर्की ने पाकिस्तान को दिये थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। जहां एक ओर पाकिस्तान में भारत को करारा जवाब देने का दबाव लगातार बढ़ रहा है, वहीं, भारत और पाकिस्तान के बीच का टकराव अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी सुर्खियों में आ गया है। भारतीय सरकार का कहना है कि पाकिस्तान ने बीती रात भारत पर हुए हमले में तुर्की से प्राप्त 30 से 40 ड्रोन का इस्तेमाल किया। इस खुलासे के बाद, अब तुर्की भी इस संघर्ष में अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हो गया है। यह देखना बाकी है कि तुर्की इस मामले पर कैसे प्रतिक्रिया देता है।

एक विदेशी समाचार एजेंसी ने दावा किया है कि पाकिस्तान ने गत रात्रि को भारत के दो लड़ाकू विमानों को मार गिराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी प्लेन चीन द्वारा दिए गए थे। फिलहाल भारत सरकार ने इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान ने इस संघर्ष में काफी क्षति पहुंचाई है, चाहे वह जम्मू-कश्मीर में हो, या राजस्थान या गुजरात की सीमा पर। जैसलमेर में ही पाकिस्तान ने करीब 30 ड्रोन छोड़े, हालांकि भारतीय वायुसेना और थलसेना ने अधिकांश हमलों को नाकाम कर दिया।

- जैसलमेर में पाकिस्तान ने लगभग तीस ड्रोन से आक्रमण किया, पर, अधिकतर ये ड्रोन मार गिराये भारत ने और आक्रमण विफल किया।
- एलओसी पर जरुर पाकिस्तान ने भारी गोलाबारी की तथा पुंछ, राजौरी, कूपवाड़ा आदि में मकानों को काफी नुकसान पहुंचाया।
- जम्मू-कश्मीर व राजस्थान में जान-माल का काफी नुकसान हुआ। पर, भारत सरकार अधिकृत रूप से इस नुकसान की बात को स्वीकार नहीं कर रही है।
- मेनलाइन मीडिया ने जरूर कई अपुष्ट खबरें प्रसारित कीं, जैसे, भारतीय सेना ने लाहौर में प्रवेश कर लिया तथा रावलपिंडी व इस्लामाबाद पर भारतीय सेना ने भारी आक्रमण किया तथा नौसेना ने कराची शहर व उसके बंदरगाह को घेरकर भारी नुकसान पहुँचाया तथा पाकिस्तानी सेना के प्रमुख को गिरफ्तार कर लिया गया है।
- पर, इस प्रकरण में यू-ट्यूब चैनल्स का आचरण व भूमिका ज्यादा काबिले तारीफ थी।
- इस पूरे प्रकरण में राजनाथ सिंह छाये रहे, टीवी की चैनल्स की भूमिका व रिपोर्टिंग में और प्र.मंत्री मोदी कुछ नदारद से रहे।

पुंछ, राजौरी, कुपवाड़ा सहित कई इलाकों में भारी गोलीबारी और बमबारी हुई, जिससे कई घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। जम्मू-कश्मीर और राजस्थान में लोगों के हताहत होने की भी खबरें आ रही हैं, हालांकि सरकार ने इन रिपोर्ट्स की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

इन घटनाओं से भी अधिक चिंताजनक बात थी, भारतीय मुख्यधारा के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का पिछली रात का व्यवहार, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ झूठ पर झूठ बोले गए। मीडिया में दावा किया गया कि भारतीय सेना लाहौर में घुस गई, रावलपिंडी पर हमला हो चुका है, इस्लामाबाद पर भारत ने कब्ज़ा कर लिया है, और भारतीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेना मूवमैंट का वीडियो वायरल करने पर एक गिरफ्तार

बाड़मेर, 9 मई (कासं)। भारत सरकार द्वारा सेना की गतिविधियों से संबंधित किसी भी प्रकार की फोटोग्राफी या वीडियो को सोशल मीडिया पर प्रसारित करने पर सख्त रोक के आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए की जा रही विशेष साइबर पेट्रोलिंग एवं निगरानी अभियान के तहत बाड़मेर पुलिस ने सेना के मूवमैंट का वीडियो वायरल करने पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

- बाड़मेर पुलिस अधीक्षक के अनुसार, बालोतरा के युवक को पुलिस टीम ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करने के कारण गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक बाड़मेर नरेन्द्र सिंह मीणा ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा भारतीय सेना के मूवमैंट से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले युवक बालोतरा के गिडा हल्का क्षेत्र में निवासरत जीयाराम पुत्र तुलसाराम जाति मेघवाल निवासी पूनियों का तला गिड़ा हाल बाड़मेर को धारा 170 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता मे गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीणा ने आमजन से अपील की है कि बाड़मेर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पाकिस्तान लंबा युद्ध नहीं झेल पायेगा, भारत के खिलाफ'

अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों के अनुसार, पाकिस्तान "बैलैंस ऑफ पेमैंट" के संकट से पहले ही गुजर रहा है तथा आईएमएफ के समक्ष और लोन के लिये अर्जी दे रखी है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। भारत के साथ सैन्य टकराव के बीच, पाकिस्तान ने अंतर्राष्ट्रीय ऋण मांगे हों या नहीं, किन्तु एक बात काफी स्पष्ट है: यह देश भारत के साथ लंबे समय तक चलने वाले खर्चीले सैन्य अभियान को झेलने की स्थिति में नहीं है।

आज सुबह पाकिस्तान के आर्थिक मामलों के मंत्रालय के आधिकारिक हैंडल से एक ट्वीट किया गया (जो अब हटा दिया गया है), जिसमें बढ़ते युद्ध और शेयर बाजार में गिरावट की इस स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों से और अधिक ऋण की अपील की गई थी। इस ट्वीट को पाकिस्तान की वित्तीय तंगी की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में देखा गया। हालांकि बाद में पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इस ट्वीट का खंडन किया और दावा किया कि उनका आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट हैक कर लिया गया था।

यह विवाद ऐसे समय पर हुआ है, जिस दिन आईएमएफ की एक महत्वपूर्ण बोर्ड बैठक होने वाली है, जिसमें पाकिस्तान की अतिरिक्त फंडिंग की मांग पर फैसला लिया जाना है। भारत पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि वह इस बैठक में पाकिस्तान को फंड दिए जाने का विरोध करेगा।

- एजेंसियों के अनुसार, पाकिस्तान पर उधार की राशि 130 बिलियन डॉलर हो चुकी है तथा विदेशी मुद्रा का रिज़र्व केवल 15 बिलियन डॉलर है, जो केवल तीन महीने के आयात का खर्च वहन कर सकता है।
- जहाँ तक भारत का सवाल है, इन रेटिंग एजेंसियों के अनुसार, फर्क तो पड़ेगा लंबे युद्ध को फायनैंस करने के लिये, पर, माइक्रोइकोनॉमिक स्तर पर, भारत "स्टेबल" रहेगा, भारी पब्लिक निवेश व खुद की स्वस्थ आंतरिक खपत की वजह से।

ग्लोबल रेटिंग एजेन्सी "फिच" के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों से पाकिस्तान भुगतान संतुलन (बैलैंस ऑफ पेमैंट) संकट और भारी महंगाई से जूझ रहा है। पिछले वर्ष देश का बाहरी ऋण 130 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया था, जबकि विदेशी मुद्रा भंडार केवल 15 अरब डॉलर के आसपास था। जिससे केवल तीन महीनों का आयात ही किया जा सकता है।

इस्लामाबाद ने पिछले वर्ष आईएमएफ से 7 अरब डॉलर का बेलआउट पैकेज प्राप्त किया था। विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक जैसी अन्य बहुपक्षीय संस्थाओं से मिलने वाली फंडिंग पाकिस्तान का आर्थिक अस्तित्व बचाये रखने के लिए जरूरी है। ऑपरेशन सिंदूर शुरु होने से महज दो दिन पहले, वैश्विक रेटिंग एजेंसी "मूडीज़" ने चेतावनी दी थी कि "भारत के साथ तनाव का लगातार बढ़ना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आप अब टैरिटोरियल "आर्मी" के अफसरों व जवानों को काम पर बुला सकते हैं

सेनाध्यक्ष को अधिकृत किया रक्षा मंत्रालय ने

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। पाकिस्तान के साथ बढ़ते सैन्य तनाव के बीच, भारतीय सेना प्रमुख को टेरिटोरियल आर्मी, जो रिज़र्व फोर्स होती है, को जुटाने के अधिकार दे दिये गये हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आज एक उच्चस्तरीय मीटिंग हुई, जिसमें पश्चिमी सीमा पर सिक्युरिटी की स्थिति तथा भारतीय सशस्त्र बलों की सैन्य कार्यवाही की तैयारी की समीक्षा की गई।

रक्षा मंत्रालय ने "टेरिटोरियल आर्मी रुल 1948" के तहत अपने अधिकारों को काम में लेते हुये, एक अधिसूचना जारी की, जिसमें कहा गया कि थल सेनाध्यक्ष "रक्षा -व्यवस्था की तैयारी या नियमित सेना को सहयोग करने या उसमें बढ़ोतरी करने के प्रयोजन के लिये टेरिटोरियल आर्मी के किसी भी अधिकारी या सदस्य को बुला सकते हैं।"

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी एक उच्चस्तरीय बैठक आहूत की, वैस्टर्न बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था का जायज़ा लेने के लिए तथा भारतीय सेना की तैयारी का भी मुआयना किया।
- रक्षा मंत्री के साथ बैठक में चीफ ऑफ डिफैंस स्टाफ, सेनाध्यक्ष, नौसेनाध्यक्ष तथा वायुसेना के चीफ व भारत के रक्षा सचिव भी मौजूद थे।

यह फैसला उस पृष्ठभूमि में लिया गया, जब 8-9 मई की रात को पाकिस्तान ने पश्चिमी सीमा पर मिसाइलों और ड्रोन द्वारा हमले किए, जिनका भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पोकरण पर दो बार ड्रोन हमला किया पाकिस्तान ने

जैसलमेर, 09 मई। जैसलमेर के बाद बाड़मेर में भी पाकिस्तान ने ड्रोन अटैक किया है।

जैसलमेर के पोकरण में पाकिस्तान की ओर से आधे घंटे में 2 बार ड्रोन से हमले किए गए हैं। पहला हमला रात करीब 8.28 बजे और दूसरा हमला 9 बजकर 2 मिनट पर हुआ। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने ड्रोन को हवा में ही मार गिराया। बाड़मेर में भी ड्रोन अटैक हुआ है। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने ड्रोन को हवा में ही मार गिराया।

- एयर डिफैंस सिस्टम ने दोनों बार ड्रोन को हवा में मार गिराया।

इससे पहले पाकिस्तान ने 7-8 मई की दरमियानी रात और 8 मई की रात को राजस्थान में 5 सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया था, जिन्हें हवा में ही मार गिराया गया।

ड्रोन अटैक के बाद बाड़मेर और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान के आक्रमण के जवाब में भारत ने पाकिस्तान चार "डिफैंस साईट्स" पर ड्रोन दागे

एक ड्रोन ने पाकिस्तान के एक रडार सिस्टम को नष्ट किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। पाकिस्तान ने शुक्रवार रात एक बार फिर उत्तरी भारत के कई क्षेत्रों में हमले शुरू कर दिए। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, जम्मू, पठानकोट, सांबा, जैसलमेर और बाड़मेर के ऊपर ड्रोन देखे गए हैं।

इन क्षेत्रों के अलावा, श्रीनगर और श्रीगंगानगर (राजस्थान) में भी ब्लैकआउट कर दिया गया है। सेना के सूत्रों के अनुसार, ड्रोन इंटरसैप्ट किये जा रहे हैं।

जम्मू, पुंछ, बाड़मेर और पोखरण में विस्फोटों की आवाजें भी सुनी गईं। इसके साथ ही नियंत्रण रेखा (एल.ओ.सी.) पर पाकिस्तानी सेना अखनूर, सांबा और पुंछ में तोपों से गोलाबारी कर रही है।

श्रीनगर के ऊपर रात 9:22 बजे एक बड़ा विस्फोट सुनाई दिया।

शुक्रवार शाम जम्मू शहर अंधेरे में डूब गया, जब विस्फोटों की आवाजें गूंजी और सायरन बजने लगे।

- भारत के विदेश सचिव के अनुसार, पाकिस्तान ने एक धार्मिक स्थान को भी टारगैट किया, जो पाकिस्तान के लिए भी शर्म की बात है।

यह घटनाएं भारत द्वारा इस सप्ताह की शुरुआत में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई के बाद पाकिस्तान की ओर से की जा रही लगातार गोलाबारी की पृष्ठभूमि में सामने आई हैं।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, जहां मैं हूं, वहां से भारी तोपों के विस्फोटों की आवाजें लगातार सुनाई दे रही हैं। उन्होंने अंधेरे में डूबे जम्मू की तस्वीर भी पोस्ट की और कैप्शन दिया: "अब जम्मू में ब्लैकआउट है। पूरे शहर में सायरन सुनाई दे रहे हैं।"

इससे पहले, शुक्रवार को भारतीय सेना ने कहा था कि पाकिस्तान ने 8 और 9 मई की रात को भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के लिए भारतीय हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया।

पाकिस्तान ने गुरुवार रात 36 स्थानों पर 300-400 ड्रोन भेजे - लेह से लेकर सर क्रीक तक - जिनका उद्देश्य भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाना था।

सेना ने बताया कि एक पाकिस्तानी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब के सात जिलों पर पाकिस्तान का लगातार हमला

पठानकोट, 09 मई। अंधेरा होते ही पाकिस्तान ने पंजाब के फिरोजपुर, फाजिल्का, अमृतसर, तरनतारन, होशियारपुर, गुरदासपुर और पठानकोट में हमला कर दिया है। पाकिस्तानी ड्रोन घुसे तो आर्मी के डिफेंस सिस्टम ने उन्हें आसमान में ही उड़ाना शुरू कर दिया।

- भारत आसमान में ड्रोन नष्ट कर रहा है। पाकिस्तान लगातार ड्रोन भेज रहा है।

हालांकि, पाकिस्तान लगातार ड्रोन भेज रहा है।

फिरोजपुर के खाई सेमे के गांव में ड्रोन गिरने के बाद घर में आग लग गई। यहां 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस समय ड्रोन गिरा, घर की लाइट जल रही थी। वहीं, गुरदासपुर में करतारपुर कॉरिडोर से 20 किमी दूर तेज धमाका हुआ है। हमले के बीच पठानकोट, फिरोजपुर, अमृतसर, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर, फाजिल्का, पटियाला, फरीदकोट, फतेहगढ़ साहिब और बठिंडा में भी ब्लैकआउट कर दिया गया है।

'वॉशिंगटन अब साउथ ईस्ट एशिया का "संकटमोचक" (क्राइसिस मैनेजर) नहीं है?

अमेरिकी कूटनीतिक डैनियल मार्की ने उपरोक्त तथ्य की पुष्टि की

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। पाकिस्तान को निर्णायक रूप से पीछे धकेलने और भारत द्वारा पहले चरण में जीत का दावा करने के बाद, पाकिस्तान की परमाणु धमकी ने न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व में चिंता की लहर पैदा कर दी है। अगर तनाव इसी तरह बढ़ ता रहा, तो परमाणु संघर्ष की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। एक गलत कदम, एक गलत आकलन - और दुनिया एक परमाणु त्रासदी का सामना कर सकती है।

लेकिन सच्चाई तो यही है कि महाशक्ति अमेरिका भी भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध को रोकने में असमर्थ हो सकता है - इसलिए नहीं कि उसकी इसमें रुचि नहीं है, बल्कि इसलिए कि उसका इस पर कंट्रोल नहीं है। भले ही अमेरिका एक प्रमुख वैश्विक शक्ति है, लेकिन दक्षिण एशिया में सुरक्षा निर्णयों को प्रभावित करने की इसकी क्षमता सीमित है। भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र है और वैश्विक मंच पर उभरता नेतृत्व चाहता है, खासकर कश्मीर या पाकिस्तान के मुद्दों पर किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को सख्ती से अस्वीकार करता है। दूसरी ओर, पाकिस्तान चीन और खाड़ी देशों पर कूटनीतिक और आर्थिक सहयोग के लिए अधिक निर्भर है। दोनों ही देश अब अमेरिका को एक विश्वसनीय संकटमोचक के रुप में नहीं देखते हैं। जैसा कि पूर्व अमेरिकी राजनयिक डैनियल मार्की ने कहा, "वॉशिंगटन अब दक्षिण एशिया में संकट निपटाने का पहला विकल्प नहीं है। भारत मध्यस्थ नहीं चाहता और पाकिस्तान को विश्वास नहीं है कि अमेरिका तटस्थ रहेगा।"

भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु संघर्ष कुछ घंटों में ही भड़क सकता है - दिनों की बात तो दूर है। शीत युद्ध के विपरीत, दक्षिण एशिया में "हॉटलाइन डिप्लोमेसी", परमाणु विश्वास-निर्माण उपाय, या दोनों पक्षों की सेना के बीच संकटकालीन संवाद के संस्थागत ढांचे नहीं हैं। इसका अर्थ है कि जब तक अमेरिका हस्तक्षेप की कोशिश करेगा, तब तक जमीनी घटनाक्रम - जैसे आतंकवादी हमला और उस पर भारत की प्रतिक्रिया - पहले ही शुरू हो चुके होंगे। घटनाओं की स्पीड और राजनयिक हस्तक्षेप के लिए सीमित समय, अमेरिका के हस्तक्षेप को मुश्किल कर देता है।

- मार्की के अुनसार, भारत ने साफ कहा, उसे किसी की मध्यस्थता की आवश्यकता नहीं है तथा पाकिस्तान को विश्वास नहीं है कि अमेरिका अब तटस्थ रहेगा।
- एक जमाना था जब, अमेरिका, अपनी सैन्य व आर्थिक मदद के दबाव के कारण पाकिस्तान से अपनी बात मनवाने की क्षमता रखता था। पर, अब पाकिस्तान, चीन, सऊदी अरब व आईएमएफ पर ज्यादा निर्भर है, सहायता व समर्थन के लिये। अतः पाकिस्तान के लिये अमेरिका का राय-मशविरा मानना आवश्यक नहीं रह गया है।

भारत और पाकिस्तान "स्थिरता-अस्थिरता विरोधाभास" की नीति के तहत काम करते हैं - यानी वे मानते हैं कि परमाणु हथियार पूर्ण युद्ध को रोकेंगे, इसलिए वे कम स्तर के टकराव (जैसे सीमापार हमले या ड्रोन स्ट्राइक) संचालित करते हैं। लेकिन इससे रैड लाइन्स को लेकर अस्पष्टता पैदा होती है, और अमेरिका न तो इन रेखाओं को नियन्त्रित कर सकता है, न ही उनका पालन सुनिश्चित कर सकता है। खासकर तब, जब आंतरिक राजनीतिक दबाव, जैसे जन आक्रोश या चुनावी समीकरण, निर्णयों को प्रभावित करते हों, तब ग़लत आकलन का जोखिम और ज्यादा बढ़ जाता है।

अतीत में, अमेरिका पाकिस्तान को सैन्य या आर्थिक सहायता के जरिये नियंत्रित कर सकता था। लेकिन अब पाकिस्तान चीन, सऊदी अरब और आईएमएफ पर अधिक निर्भर है, जिससे उस पर अमेरिका का प्रभाव अब कम हो गया है। इसलिये ऐसा हो सकता है कि संकट के समय पाकिस्तान अमेरिकी सलाह पर ध्यान देना जरुरी न समझे।

चीन भी अब दक्षिण एशिया में सबसे प्रभावशाली बाहरी खिलाड़ी बन चुका है। पाकिस्तान के साथ उसके गहरे आर्थिक रिश्ते (जैसे सीपीईसी) और भारत के साथ बढ़ते व्यापारिक संबंधों ने उसे इस क्षेत्र में अमेरिका से अधिक प्रभावशाली खिलाड़ी बना दिया है। ऐसे में किसी संकट की स्थिति में, बीजिंग की बैक-चैनल कूटनीति वॉशिंगटन की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी हो सकती है तथा अमेरिका की "वास्तविक संकट -समाधानकर्ता" की परम्परागत भूमिका कमजोर सिद्ध हो सकती है।

भारत भी अक्सर अमेरिकी हस्तक्षेप को पक्षपात या अति सतर्कतापूर्ण मानता है। भारत को संदेह रहता है कि अमेरिका के कदम उसके निजी रणनीतिक हितों (जैसे चीन को रोकना या क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखना) को प्राथमिकता देते हैं, न कि भारत की सुरक्षा चिंताओं को। जैसा कि भारतीय विशेषज्ञ सी. राजा मोहन ने कहा, "अमेरिका संयम की अपील कर सकता है, लेकिन भारत के निर्णय उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा और आंतरिक राजनीतिक अपेक्षाओं पर आधारित होंगे।"

इस प्रकार, भले ही अमेरिका चेतावनी दे, सलाह दे या गुपचुप मध्यस्थता करे, वह भारत और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

श्रीनगर एयरपोर्ट पर धमाका

श्रीनगर, 09 मई। श्रीनगर एयरपोर्ट पर धमाका किया गया है। इसके अलावा, अंवतीपुरा एयरफोर्स स्टेशन पर ड्रोन अटैक को नाकाम किया गया। यहां बड़ा धमाका सुना गया। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू और कश्मीर में तनाव बढ गया, क्योंकि कई इलाकों में ज़ोरदार धमाकों की आवाज़ें सुनाई दीं और सायरन बजने लगे, जिससे केंद्र शासित प्रदेश के बड़े हिस्से अंधेरे में डूब गए।

- अवंतीपुरा एयरफोर्स स्टेशन पर ड्रोन अटैक नाकाम किया।

दक्षिण कश्मीर में अवंतीपोरा एयर बेस के पास विशेष रूप से धमाके सुने गए, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई।

रक्षा अधिकारियों ने जम्मू, सांबा और पंजाब के पठानकोट जिले में ड्रोन देखे जाने की पुष्टि की, उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल हवाई खतरों से सक्रिय रूप से निपट रहे हैं।

श्रीनगर में, मस्जिद के लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल निवासियों को सुरक्षा सावधानी के तौर पर अपनी लाइटें बंद करने की सलाह देने के लिए किया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)